

## अध्याय 6

### छुक-छुक गाड़ी

#### प्रश्न-अभ्यास

इतने सारे रंग

प्रश्न 1.

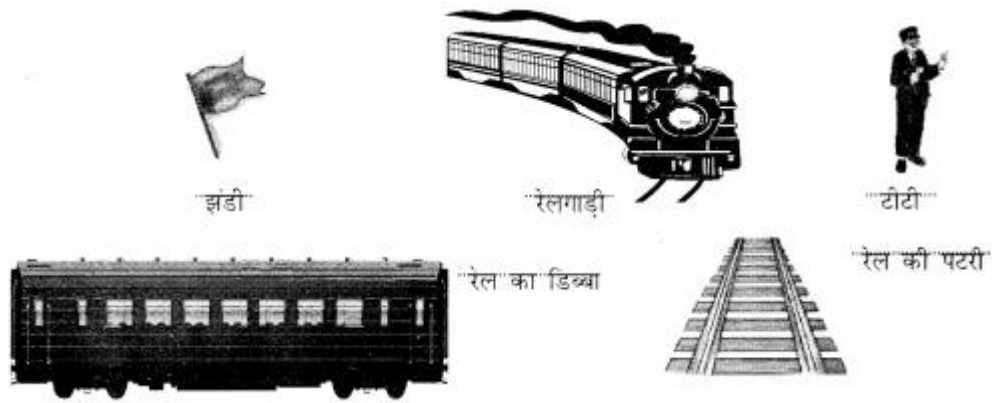
पिछले पन्नों में इन रंगों को ढूँढो। इन रंगों वाली चीज़ों के चित्र बनाओ।



उत्तर :

विद्यार्थी स्वयं करें।

## नाम बताओ

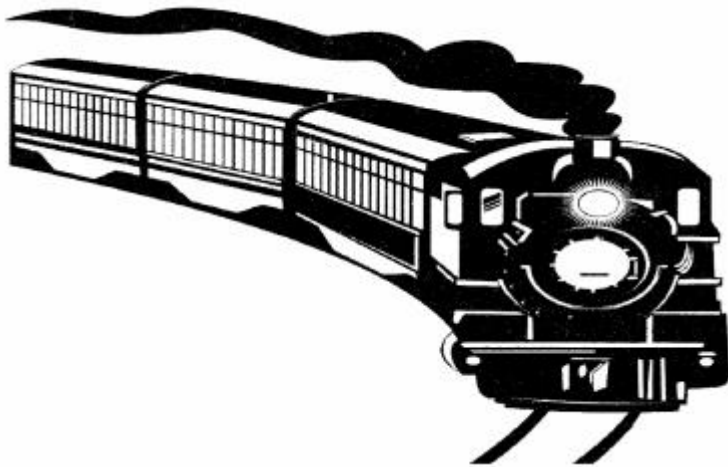


## पूरा करो

छूटी मेरी रेल, रे बाबू छूटी मेरी रेल।  
सुनो गार्ड ने दे दी 'सीटी'।

### प्रश्न 2.

हर डिब्बे पर उसके रंग वाली किसी चीज़ का नाम लिखो।



उत्तर :

विद्यार्थी स्वयं करें।

## दो अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: कविता में कवि कैसे व्यक्ति तथा जीवन के अन्य तत्वों को व्यक्त करते हैं?**

**उत्तर 1:** कविता में कवि ने रेल को एक जीवंत तथा ज़िन्दा वस्तु के रूप में व्यक्त किया है, जिसमें रेल को अपनी भावनाएँ, सीटी बजाने की क्षमता, और उसकी छूट को पल्लवित किया गया है।

**प्रश्न 2: कवि ने रेल को कैसे वर्णित किया है और इसका क्या प्रभाव होता है?**

**उत्तर 2:** कवि ने रेल को "छुक-छुक गाड़ी" कहकर जीवंत बनाया है, जिससे पठक को रेल की गति और उसका धमाल अच्छे से समझ में आता है। यह रूपांतरण पठक को कविता के साथ जोड़ने में मदद करता है।

**प्रश्न 3: रेल के इंजन को कैसे वर्णित किया गया है और इसका क्या महत्व है?**

**उत्तर 3:** कवि ने रेल के इंजन को "भारी-भरकम" कहकर उसकी महत्वपूर्णता को बताया है। इससे यह सुझावित होता है कि इंजन नहीं बल्कि रेल का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसकी गति को बनाए रखता है।

**प्रश्न 4: रेल के चलने का अनुभव कैसे होता है और इसे कवि ने कैसे व्यक्त किया है?**

**उत्तर 4:** रेल के चलने का अनुभव "धक-धक, गम-गम" करने वाली है, जैसा कि कवि ने विवरण किया है। इससे यह सुझावित होता है कि रेल का सफर गतिविधि से भरपूर होता है और यात्री को अद्वितीय अनुभव होता है।

**प्रश्न 5: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि रेल की गति में एक निश्चित रिति है?**

**उत्तर 5:** कवि ने रेल की गति को "धक-धक, धू-धू" करने के साथ व्यक्त किया है, जिससे यह सुझता है कि रेल की गति में एक निश्चित रिति है जो उसकी धमकी और तेजी को दर्शाती है।

## चार अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: कविता में रेल को जीवंत बनाने के लिए कवि ने कैसे शब्दों का उपयोग किया है?**

**उत्तर :** कवि ने रेल को "छुक-छुक गाड़ी" कहकर उसे जीवंत बनाया है। शब्दों ने रेल को एक व्यक्ति की भावनाएँ और गति से संबंधित बनाया है, जिससे पठक को उससे जुड़े अनुभवों का मजा आता है।

**प्रश्न 2: रेल की गति के वर्णन में कवि ने कौन-कौन से शब्दों का प्रयोग किया है और इनका क्या अर्थ है?**

**उत्तर :** कवि ने रेल की गति को "धक-धक, गम-गम, छू-छू, धू-धू" करने वाली बताया है। ये शब्द रेल के साफ़ सुनहरे सफर की गति और उसकी धमकी को बढ़ाते हैं।

**प्रश्न 3: कवि ने रेल को एक व्यक्ति की भावनाओं से कैसे जोड़ा है और इसका क्या अर्थ है?**

**उत्तर :** कवि ने रेल को "छुक-छुक गाड़ी" कहकर उसे जीवंत बनाया है, जिससे सुझावित होता है कि रेल की गति और उसकी हरकतें जैसे एक जीवंत व्यक्ति की भावनाओं से मिलती हैं। इससे पठक को रेल से जुड़े अनुभव महसूस होते हैं।

**प्रश्न 4: कविता में रेल के चलने के अनुभव का विवरण कैसे किया गया है और इससे पठक को कैसा अनुभव होता है?**

**उत्तर :** कवि ने रेल के चलने का अनुभव "धक-धक, गम-गम" करने वाली होती है, जो यात्री को रेल के सफर की गति और धमकी का अनुभव कराता है। इससे पठक को रेल सफर में जीवंतता और हरित अनुभव का मजा आता है।

## कविता का सारांश

इस कविता के रचयिता सुधीर जी हैं। 'छुक-छुक गाड़ी' नामक इस कविता में सुधीर जी एक ऐसी रेल के बारे में बता रहे हैं, जो स्टेशन से खुल चुकी है। वे लोगों को सावधान करते हुए कहते हैं कि सामने से हट जाओ, क्योंकि मेरी रेल खुल चुकी है और यदि टक्कर हो गई तो मेरी ज़िम्मेदारी नहीं होगी। रेल धक-धक, छू-छू, भक-भक, चू-चू, धक-धक, धू-धू करती आ चुकी है। कवि कहते हैं कि रेल का इंजन भारी-भरकम है तथा धम-धम, गम-गम करता आगे बढ़ता जाता है। गाड़ी ने सीटी दे दी है तथा टीटी टिकट देखता फिर रहा है कवि कहते हैं कि मेरी रेल पेलम पेल करती हुई छूट चुकी है।

**प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता 'छुक-छुक गाड़ी' से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता सुधीर हैं। इसमें कवि ने अपनी अनोखी रेलगाड़ी का वर्णन किया है।

**व्याख्या :** उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहता है कि मेरी रेल छूट चुकी अर्थात् चल पड़ी है। वह लोगों से कहता है कि वे उसकी रेल के सामने न आएँ, वरना यदि टक्कर हो गई तो उसकी ज़िम्मेदारी नहीं होगी। कवि की रेल धक-धक, धू-धू, भक-भक, भू-भू, छक-छक, छू-छू करती आ गई है।